न्दित्यः स्टाब्याच ।। स्ट्रिस्यदेनः ॥ उत्रः स्ट्रिष् उउविश्व पद्मिमा उदलमा उउधवउ एल हेमः। गण्यहाः उद्यां मुर्द्यं निधभी हु ल्यु वधु उद्या उद्या गला क्रमाः राम्भेड। त्रिरणन । उित्र वस्रिय्य मुक्ताः यसिउम्पानक राम्या । ग्राम्या वास्त्र द्राप्त चेन्द्र पष्टायान प्रविशः। मा उक्यवर उद्ग नवय्न्म । । उद्गमा । मुर्भ म्बी पष्टक स्त्रे भागां

CC-0. Courtesy Sanjay Raina, Jammu. Digitized by eGangotri

कलम्यणं। मयय । इछिष्ठः भक्तयाः

महन्त्राल्याम्य । मन्य । वस्त्रात्य थेए

भेमं गयहनभः ३ वास् द्वायदि ३ महा भद्रगलभाः। नगः वस्प्रवस् पण्यानम्बानं महयहरः। उम्र्थः देश वर्षः सङ्गे सङ्गः दिवा करि क काषक भन्नभक छुउ छुउ भभमु कल्मधक्या भर्धनज्ञ मर्ध् कु निर्धार्यक्रिनिभित्रं कलम् व्यद्भाष्ट्रला सम्मिन नारमप्र महामद्भक्तिथा। एउमव्या मिकित्य विक्रिया । रहे विक्रम् ।।

CC-0. Courtesy Sanjay Raina, Jammu. Digitized by eGangotri

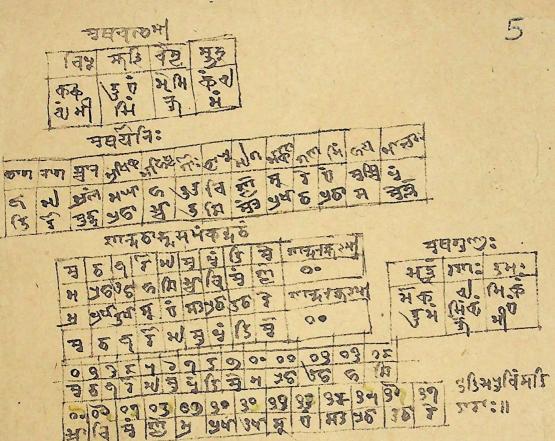
3

विद्वीवं वदक्ष्यं को को सुभस्स र एय ज्ञान जनवएकप्रिवएकप्रभुष्ठा। प्रिम्न भनः॥ सम्मेरे ।॥ सम्मेर ।। सम्मिष् कं मुन्ने ॥ मुक्कः श्रु िक भक्ष मंभक्ष भिट्य म् भे नीना क्लीअउस्क्रमनीन्नण्युन्सभभ्रम्भ मस्रक्रिन्य नेम ५ र के किर के के से स्करण्ला सम्नेन भरा ते यूनां इरण्डाभाषाना मर्वन विधियन्त्र मिन मिन भें विज्ञभग्वसंवद्यकाष्ट्रभक्तानलभी व्यद्धद्रभि थरमयं मुलग क्रिप् ठण्ण उः मुभनगक्य प्लग्न यवग्र ष्ठरणणं रेउघर मुद्भवन्तर्भभेषेउँभरभेयभभिन्उं॥ मध्मप्रिकं मुप्ने॥ वच्च चप्लेश्व िक्समामं ज र्युलेम्हाभेडाप्त विद्युष्कल्पात्रचभिण्भयः किष्ठि नी अगर्डः मी अक्नितिसम्बान्यन्यभूभव किन्ड। ज्युष्युक्वद्वद्वसम्मासस्लय्रुध्यान्।। म्बर्ग्लस्युन्।। उद्यस्युरभनिरं रिनयन रजारहरणभूर्ण भराभवरमंक्यानभूकेयं मुन मण्नकरः नीलगीवश्वमग्रह्भणगुउमीउप्म पंग्रेष्ट्रान वच्चक्रिका वर्भ व ह्यात व सम् मुघुरभभं छुन्। छुर्य विलिशिकानु म्मिमकलाग्रंभुद्रभग्लभक्षं विश्वभुधिद्वक् मंडभक्भयभाकितानुप्रमण्ड्यपनि नेप्राधाल क्यान्नक्रमग्रमग्रीमा कि कि के के नियम कि कि कन्यक्रिन्ड भिलाभयविन्स द्विष्ट्रिकी 1011

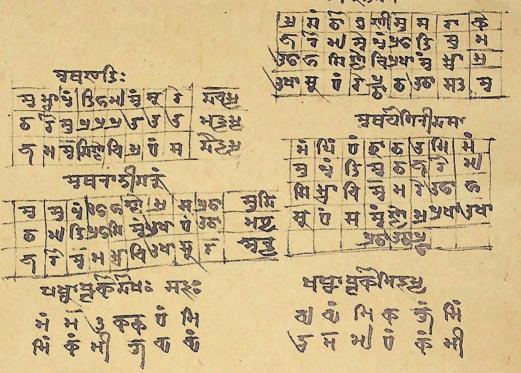
4

म्म्भागानां मन् ॥ क्रक्तिउक्धानाः ज्ञाप्तं नीम्प्रधानि मुक्ताविभानीन मान्याप्ते धवीउ च इभभयभधराविध्यविद्युम्द इन्न यउवद्वनायः भिद्यमः भगकाना॥ म्म्यानस्यः, विद्वीवप्रकायम्पस्याण यज्ञम् क्रिवप्रकायम्पस्याण यज्ञम् क्रिवप्रकायम् प्राप्ताविद्यं म्नीलज्ञ चल्लाक्ष्यभाजावि उभनेष्णभाषान् विद्यं कृत्वाल्की विक्रम्नि यक्ष्यम्भाषान् विद्यं कृत्वालकी विक्रम्नि यक्ष्यम्भाषान् विद्यं कृत्वालकी विक्रम्नि

मन्त्राचीनयभागा लाश्वरद्या में भाजिमानिश्वायिनभभागीलयानमञ्जूषानुं भ्रम्ति विलयिवयभिनः भ्रम्भलालाएनउ ग्रम्ति विलयिवयभिनः भ्रम्भलालाएनउ ग्रम्



CC-0. Courtesy Sanjay Raina, Jammu. Digitized by eGangotri



Collection of 81 Year Old Dina Nath Raina, Jammu. Retired Priest.

CC-0. Courtesy Sanjay Raina, Jammu. Digitized by eGangotri

भा कभी थे वा वा भा भा ते कि की हो हो भा हि महिम से महा पह अह से में में हि हम में महा पह अह

भवड़ी का सुभार विशेष्ट में विश्व के स्थार के स्था के स्थार के स्था के स्थार के स्थार के स्थार के स्थार के स्थार के स्थार के स्था के स्था के स्थार के स्थार के स्थार के स्थार के स्थार के स्थार क

भे १७ १९ मे १७ १९ मे महत्वितासाः रणना गोडा हुन् ५४४६ः देसित उपल्ले ह्या है। भे १७ ध्रिक मभा यादिन शाना दुर्भ भहाक लेक म्ही बना गो रिविध